HINDI -MANUSHYATA-MAITHILISHARAN GUPT

Class 10 - हिंदी ब

निर्धारित समय: 1 hour **अधिकतम अंक: 40**

1. मनुष्य को किसके समान उदार होना चाहिए ? "मनुष्यता' कविता के अनुसार उत्तर दीजिए। **[1]**

   क) सूरज ख) चंद्रमा

   ग) धरती घ) जल

2. **मनुष्यता** काव्य के कवि के अनुसार महात्मा बुद्ध को क्यों आज भी लोग याद करते हैं? **[1]**

   क) क्योंकि वे महान हुए ख) उनके दयालु भाव के कारण

   ग) क्योंकि उन्होंने राज पाठ छोड़ दिया था घ) क्योंकि वे भगवान् हैं

3. व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए? **मनुष्यता** कविता के आधार पर लिखिए। **[3]**
4. **मनुष्य मात्र बंधु है** से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए। **मनुष्यता** कविता के आधार पर लिखिए। **[3]**
5. हमें धन, क्षमता व उपलब्धियों पर गर्व क्यों नहीं करना चाहिए? कवि के अनुसार भाग्यहीन कौन है? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए। **[3]**
6. मनुष्यता कविता में कवि ने मनुष्य के किस कृत्य को अनर्थ कहा है और क्यों? **[3]**
7. **मनुष्यता** कविता का मूल भाव अपने शब्दों में समझाइए। **[3]**
8. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** **[4]**

   क्षुधार्थ रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
   तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
   उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
   सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
   अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
   वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

   I. वीर कर्ण ने क्या दान दिया था?

   i. अस्थि
   ii. शरीर का चर्म
   iii. शरीर का मांस
   iv. कुछ नहीं

   II. उशीनर कौन था?

   i. गांधार देश का राजा
   ii. एक राजा
   iii. दयाल दीनबंधु
   iv. एक मनुष्य

   III. दधीचि ने अपना अस्थिजाल क्यों दान किया था?

   i. अपनी सुरक्षा के लिए
   ii. अपने फायदे के लिए

SAIRAJ

iii. प्रचलित होने के लिए

iv. दूसरों की रक्षा के लिए

IV. क्षुधार्त का क्या अर्थ है?

i. जो दूसरे के लिए हो

ii. मरणशील

iii. भूख से व्याकुल

iv. धन के लिए व्याकुल

9. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[4]**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करे सभी।
हुई न यों सु–मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिये,
मरा नहीं वहीं कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु–प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

I. मनुष्य की मृत्यु कैसी होनी चाहिए?

i. वीरों के भांति

ii. दुनिया उसे मरने के भी याद करे

iii. देवता की भाँति

iv. निडर होकर

II. सु-मृत्यु नहीं होने से क्या तात्पर्य है?

i. जीवन का बेकार होना

ii. अमर हो जाना

iii. अनाथ हो जाना

iv. किसी को मार कर मरना

III. पशु-प्रवृति क्या है?

i. सब का भला करना

ii. देवता नहीं बनना

iii. मनुष्य के विषय में सोचना

iv. केवल अपने विषय में सोचना

IV. कौन मनुष्य मरा हुआ नहीं है?

i. जो मनुष्य नहीं है

ii. जो पशु प्रवृति का है

iii. जो दूसरे के लिए जीता हो

iv. जो अपने लिए जीता हो

10. आपसे अपने बचत खाते की चैक बुक खो गई है। इस सम्बन्ध में तत्काल उचित कार्यवाही करने के लिए निवेदन करते हुए बैंक प्रबंधक को पत्र लिखिए। **[5]**

प्रश्न संख्या 11 से 15 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।

SAIRAJ

अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

11. रंतिदेव कौन थे?

क) एक दानी राजा
ख) महाराजा
ग) ऋषि
घ) सेनापति

12. कबूतर को बचाने के लिए राजा शिवि ने क्या किया?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) अपना राज्य दान किया
ग) अपना भोजन दान दिया
घ) अपने मांस का दान दिया

13. किसने अपने कवच-कुंडल दान में दिए?

क) दधीचि ने
ख) रंतिदेव ने
ग) कुंती पुत्र कर्ण ने
घ) राजा शिवि ने

14. वास्तव में असली मनुष्य किसको माना है?

क) जो दूसरों की चिंता करता है।
ख) जो संसार को त्यागकर तपस्वी बन जाता है।
ग) जो अपने लिए जीता है।
घ) जो परोपकारी भाव रखता है।

15. दधीचि ने समाज के लिए क्या त्याग किया ?

क) अपना ऐश्वर्य
ख) अपने शरीर की हड्डियाँ
ग) अपनी धन संपत्ति
घ) अपना राजपाट

प्रश्न संख्या 16 से 20 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

16. अतंरिक्ष में कौन खड़े हैं?

क) तारे
ख) नक्षत्र
ग) सूर्य
घ) देवता

17. अतंरिक्ष में खड़े देव अपनी बाहु क्यों बढ़ा रहे हैं?

क) मदद के लिए
ख) मार्गदर्शन के लिए
ग) स्वस्थता के लिए
घ) समृद्धि के लिए

18. कवि मनुष्य को किस प्रकार रहने की सलाह देता है?

क) सहयोग की भावना से
ख) असहयोग की भावना से
ग) हिंसा की भावना से
घ) ईर्ष्या की भावना से

19. **परस्परावलंब** का आशय है-

SAIRAJ

क) एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना

ख) एक-दूसरे से शत्रुता करना

ग) एक-दूसरे से छल-कपट करना

घ) एक-दूसरे से घृणा करना

20. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. परोपकारी लोगों की प्रशंसा देवता भी करते हैं।

ii. कलंक रहित लोग ही देवताओं के समीप जा सकते हैं।

iii. मनुष्य के लिए मरने वाला मनुष्य नहीं है।

iv. सभी मनुष्यों को एक-दूसरे का सहारा लेना चाहिए।

v. अंतरिक्ष में अनेक मनुष्य खड़े हैं।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (ii), (iv)

ख) (iii), (iv), (v)

ग) (ii), (iii), (iv)

घ) (i), (ii), (iii)

SAIRAJ